A **(Printed Pages 3)**

Roll No. _____

A-182

बी. ए. (तृतीयवर्षम्) परीक्षा, 2015

प्रायोगिक संस्कृतम्

द्वितीय प्रश्न-पत्रम्

(पौराणिक वाङ्मयं पुराणपारायणव्रतञ्च)

समयावधिः : घण्टात्रयम् पूर्णाङ्कः : 35

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। प्रत्येक वर्ग से **एक** प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक है।

1. अधोलिखित् विषयों पर सङ्क्षिप्त प्रकाश डालिए? 15

   (क) जयन्ती व्रत

   (ख) ऋषि-पञ्चमी

   (ग) गरूण-पुराण

   (घ) श्रीमद्भागवत-पुराण-दशम स्कन्ध

   (ङ) दुर्गासप्तशती के चरित्र

P.T.O.

(च) सत्यनारायण कथा का मूल स्रोत

(छ) शिवरात्रि-परिचय

(ज) श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण

(झ) उपपुराण सङ्ख्या

(ञ) पुराण-शब्द-मीमांसा

प्रथम वर्ग (Unit-I)

2. 'पुराणं पञ्चलक्षणम्' उक्ति की विवेचना कीजिए? 5

3. पौराणिक वाङ्मय का सङ्क्षिप्त परिचय दीजिए? 5

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

4. अधोलिखित श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए। 5

खमशोभत निर्मेघं शरद विमल-तारकम् ।

सच्चयुक्तं यथाचित्तं शब्द ब्रहमार्थदर्शनम् ।।

5. श्रीमद् भागवतपुराण के भ्रमर-गीत का महत्त्व लिखिए। 5

तृतीय वर्ग (Unit-III)

6. हरिवंश पुराण की पारायण-विधि तथा महत्ता पर प्रकाश डालिए।

5

7. देवी भागवत-पुराण की पारायण-विधि का निरूपण कीजिए।

5

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

8. प्रदोष-व्रत का महत्त्व तथा विधान बताइए। 5

9. नवरात्र से क्या अभिप्राय है? नवरात्र विधि का वर्णन कीजिए।

5